ISSN 0970-9312

# प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 41 अंक 1 जनवरी 2017

## इस अंक में


| | | |
|---|---|---|
| **संवाद** | | 3 |
| **लेख** | | |
| 1. *'बरखा'* क्रमिक पुस्तकमाला<br>जेंडर के मुद्दे | उषा शर्मा | 5 |
| 2. लैंगिक समानता की अवधारणा और महिला शिक्षक की भूमिका | चित्रा सिंह | 16 |
| 3. कक्षा में बोल कर पढ़ने से समझने तक | सावन कुमारी | 25 |
| 4. गिजुभाई बधेका की शिक्षण पद्धतियाँ<br>प्राथमिक शिक्षा के विशेष संदर्भ में | त्रिभुवन मिश्रा<br>सीमा सिंह | 28 |
| 5. पूर्व प्राथमिक शिक्षा<br>भारतीय संदर्भ में आवश्यकता | पद्मा यादव | 39 |
| 6. पूर्व बाल्यावस्था में सामाजिक संवेगात्मक विकास | सुनैना मित्तल | 51 |
| 7. प्रारंभिक स्तर पर नाटकों के माध्यम से भाषा-शिक्षण | मेहराज अली | 55 |
| 8. भाषा के विकास में कठपुतली के खेलों का महत्त्व | पूनम | 60 |
| 9. शिक्षा में सूचना और जनसंचार प्रौद्योगिकी का उपयोग | पारस यादव | 65 |
| **बाल कहानी** | | |
| 10. साँप और चींटी | विपुल | 70 |
| **बालमन कुछ कहता है** | | |
| 11. मुझे स्कूल जाना अच्छा लगता है | दिलशाद | 72 |


विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

**विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।**

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।